समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 10 September 2026

मुंबई शिक्षा विभाग डिजिटाइज़ेशन ड्राइव मे संबसे आगे

Publisher

Published on 06 Jan 2026

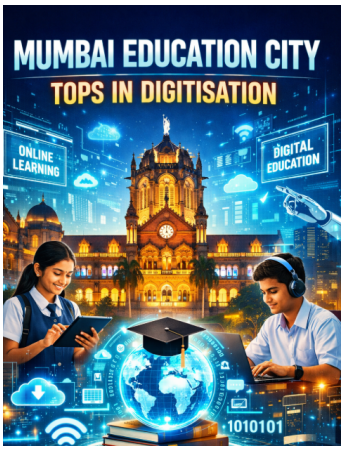

महाराष्ट्र में **शिक्षा विभाग के स्टाफ के रोजगार रिकॉर्ड को डिजिटाइज** करने की दिशा में चल रही राज्यव्यापी पहल में **मुंबई शीर्ष पर है**, जहाँ लगभग **60% कर्मचारी डेटा** अब तक **शालार्थ पोर्टल** पर अपलोड किया जा चुका है। यह जानकारी हाल ही में जारी किये गए आंकड़ों में सामने आई है।

क्या है यह ड्राइव ?

डिजिटलीकरण अभियान में **सरकारी और सहायता प्राप्त संस्थानों** के **शिक्षण तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों** के रोजगार दस्तावेजों को ऑनलाइन सिस्टम में अपलोड करने का काम शामिल है। इसमें **नियुक्ति आदेश, जॉइनिंग रिपोर्ट, अनुमोदन पत्र और सेवा रिकॉर्ड** जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सरकार के **शालार्थ पोर्टल** पर अपलोड करना आवश्यक है। इस ड्राइव को **शिक्षा विभाग ने सितंबर 2025 की 20 तारीख तक पूरा करने का लक्ष्य** दिया था।

मुंबई आगे, कई जिलों मे प्रगति अल्प

जहाँ मुंबई में लगभग **60% रिकॉर्ड तैयार हो चुके है**, वहीं **धुळे, अकोला और सोलापुर** जैसे कई जिलों में यह आंकड़ा **1% से भी कम** है। इससे स्पष्ट होता है कि डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया **राज्य भर मे असमान रूप से लागू हो रही है**।

यह अभियान विशेष रूप से उन कर्मचारियों पर केंद्रित है जिनकी नियुक्तियाँ **2016 से पहले** हुई थीं, जब **शालार्थ आईडी बनाना अनिवार्य नहीं था**। ऐसे में पुराने रिकॉर्ड आज भी कई स्कूलों और शिक्षा कार्यालयों में केवल **कागज़ पर मौजूद है**, जिससे सत्यापन और ऑडिट की प्रक्रिया जटिल हो जाती है।

शालार्थ पोर्टल का उद्देश्य

शालार्थ महाराष्ट्र सरकार का एक **केंद्रीकृत ऑनलाइन सिस्टम** है, जिसका उद्देश्य शिक्षकों और स्टाफ के वेतन, सेवा और वित्तीय विवरण को एक ही जगह सुरक्षित रखना है। पिछले कुछ समय में इस पोर्टल की समीक्षा के दौरान की गई **अनियमितताओं** के

कारण पुराने रिकॉर्डों को **डिजिटली जोड़ने और प्रोफ़ाइल से लिंक करने** का यह अभियान शुरु किया गया था।

डिजिटलीकरण का लक्ष्य रिकॉर्ड को एकीकृत, सत्यापित और मानकीकृत करना है, ताकि **प्रशासनिक कामकाज** में पारदर्शिता, **तत्काल सत्यापन** और **ऑडिट की प्रक्रियाएँ** अधिक सरल और तेज़ हो सकें।

क्यों है प्रगति असमान ?

जहाँ मुंबई में डिजिटाइजेशन का काम अपेक्षाकृत सुचारू रूप से चल रहा है, वहीं कई जिलों में **कर्मचारियों द्वारा रिकॉर्ड अपलोड न होने** के कारण प्रगति बहुत धीमी है। इससे यह संकेत मिलता है कि कुछ जिलों में **प्रशासन, तकनीकी सहायता या कर्मचारियों की भागीदारी** की कमी है।

डिजिटाइजेशन की यह पहल शिक्षा विभाग के लिए अहम है, क्योंकि इससे न केवल रिकॉर्ड प्रबंधन बेहतर होगा बल्कि **भविष्य मे ं वेतन, सेवा और वित्तीय निर्धारण मे भी सुव्यवस्था आएगी**।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.